Edition: May 2026

HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)

विजयेंद्र कुमार, IAS
अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है । इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी अवश्यक सुचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी । यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा । मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हू ।"

श्री राजनरायण कौशिक IAS
महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ ।

डॉ सुरेंद्र सिंह यादव
निदेशक , हमेटी , जींद

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा।

संपादक की कलम से ...

किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बग़ैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नहीं है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दें। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।

" जल है तो जीवन है "

"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

One-Day Natural Farming Training at Dharuhera Natural Agro Farm

A one-day training program on Natural Farming was successfully organized by HAMETI, Jind at Dharuhera Natural Agro Farm, Dharuhera, under the chairpersonship of Dr. Surender Singh Yadav, JDA-cum-Director, HAMETI. During the program, participants visited the farm and gained practical exposure to natural farming practices and bio-input production units, enhancing their understanding of sustainable and eco-friendly agriculture.
On the occasion of Labour Day, Dr. Surender Singh Yadav also honored the farm labourers by felicitating them with caps, recognizing their valuable contribution to agriculture. Such initiatives play a vital role in promoting natural farming, skill development, and respect for the farming community.

Expert Lecture on Weed Management at HAMETI, Jind

Under the Diploma in Agriculture Extension Services for Input Dealers (DAESI) Training Program (TP No. 3414), an expert lecture was conducted during the morning session on 03 May 2026 at HAMETI, Jind. Dr. Danveer Singh, PhD Research Scholar (Agronomy), CCSHAU Hisar, delivered an informative session on "Weed Management in Crops." The lecture covered the importance of weed management, types of weeds, and effective control strategies, helping participants understand how proper weed management can significantly improve crop productivity and reduce losses. Such expert sessions enhance participants' knowledge and promote the adoption of scientific and efficient crop management practices.

Expert Lecture on Chilli Crop Production at HAMETI, Jind

Under the DAESI Training Program (TP No. 3201), an expert lecture was conducted during the evening session on 03 May 2026 at HAMETI, Jind. Dr. Rajesh Kumar Berwal, District Extension Specialist (Vegetable Science), KVK Panipat, delivered an insightful session on the topic "Crop Production Technology of Chillies." The session covered key aspects of scientific cultivation practices, improved varieties, nutrient management, and pest control measures, helping participants enhance productivity and quality in chilli cultivation. Such expert-led sessions strengthen participants' knowledge and promote the adoption of advanced and sustainable crop production practices.

Expert Lecture on Kharif Pulses Production Technology at HAMETI, Jind

Under DAESI Batch TP-3154, an expert lecture was conducted on 03 May 2026 (Evening Session) at HAMETI, Jind. Dr. O. P. Lathwal, Retired Senior Scientist (Agronomy), CCSHAU Hisar, delivered an insightful session on the topic “Crop Production Technology of Kharif Pulses.” The session focused on improved cultivation practices, crop management techniques, and scientific approaches to enhance productivity and sustainability of kharif pulse crops. Such expert-led sessions help strengthen participants’ knowledge and promote the adoption of efficient and sustainable agricultural practices.

Spotting Examination Conducted at SGT University, Gurugram

A view of the spotting examination of the Diploma in Agriculture Extension Services for Input Dealers (DAESI) Training Program (TP No. 2993) held at SGT University, Gurugram on 05 May 2026. The spotting exam provided participants with hands-on assessment, evaluating their ability to identify and apply practical knowledge related to various agricultural inputs and concepts. Such evaluations play a crucial role in strengthening participants' practical skills and ensuring they are well-prepared to deliver effective advisory services to farmers.

Viva Voce Conducted under DAESI Program at SGT University, Gurugram

A glimpse of the viva voce of the Diploma in Agriculture Extension Services for Input Dealers (DAESI) Training Program (TP No. 2993) conducted on 05 May 2026. The viva was conducted by Dr. Danveer Singh, Faculty, CCSHAU Hisar, assessing participants' practical knowledge and understanding of key agricultural concepts. Such evaluations ensure that trainees are well-equipped to provide scientific guidance and advisory services to farmers, strengthening agricultural extension services.

Expert Session on Role of Microbes in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 2nd day of the 5-day training program for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind from 04 May to 08 May 2026, Dr. Baljeet Singh Saharan, Microbiologist and Senior Coordinator, KVK Kurukshetra, delivered an insightful session on the role of microbes in natural farming. The session focused on the importance of beneficial microorganisms in improving soil health, enhancing nutrient availability, and promoting sustainable crop production. He also discussed the challenges in mobilization and engagement of CRPs in natural farming initiatives. Such expert-led training programs strengthen the capacity of Community Resource Persons and promote the adoption of eco-friendly and sustainable agricultural practices.

Expert Session on Soil Health Management in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind, Dr. Rajesh Lathar, District Extension Specialist (DES), KVK Panchkula, delivered an informative session on natural practices for Soil Health Management. The session highlighted the importance of improving soil fertility through natural farming techniques, sustainable nutrient management, and eco-friendly agricultural practices for long-term productivity and environmental conservation. Such expert-led programs strengthen the knowledge and capacity of CRPs, encouraging the promotion of sustainable and chemical-free farming practices among farmers.

Expert Session on Soil Health Management in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind, Dr. Rajesh Lathar, District Extension Specialist (DES), KVK Panchkula, delivered an informative session on natural practices for Soil Health Management. The session highlighted the importance of improving soil fertility through natural farming techniques, sustainable nutrient management, and eco-friendly agricultural practices for long-term productivity and environmental conservation. Such expert-led programs strengthen the knowledge and capacity of CRPs, encouraging the promotion of sustainable and chemical-free farming practices among farmers.

DAESI Final Theory Examination Conducted Successfully

The Final Theory Examination of DAESI Training Program (TP No. 3052) was conducted successfully on 07 May 2026. Dr. Yudhveer Singh, Facilitator, and Dr. Monika Yadav, Deputy Director & HAMETI Representative, presided over the examination process and ensured its smooth conduct. The examination assessed participants' understanding of important agricultural concepts and their readiness to provide effective advisory services to farmers. Such training and evaluation programs play an important role in strengthening agricultural extension services and promoting scientific farming practices.

Exposure Visit to Gurukul Natural Farm, Kurukshetra

As part of the 5-day training program on Natural Farming being organized at HAMETI, Jind, CRP farmers participated in an exposure visit to Gurukul Natural Farm, Kurukshetra. During the visit, participants observed various natural farming practices, bio-input preparation methods, and sustainable crop management techniques. The exposure provided practical insights into eco-friendly farming systems and encouraged farmers to adopt natural and chemical-free agriculture. Such field visits play a vital role in enhancing farmers' practical knowledge and promoting the adoption of sustainable and profitable farming practices.

Practical Session & Viva-Voce Conducted at HAMETI, Jind

Under DAESI Training Program (TP No. 3051), various record checking and viva-voce assessments were conducted during the afternoon practical session on 07 May 2026 at HAMETI, Jind. The session evaluated participants' practical understanding, record maintenance, and application of agricultural concepts learned during the training program. Such practical assessments play an important role in strengthening technical knowledge and preparing trainees to provide effective advisory services to farmers.

Expert Session on Crop Diversification & Agroforestry at HAMETI, Jind

During the 2nd round of the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind from 11 May to 15 May 2026, Dr. Virender Singh Hooda, Senior Agronomist, CCSHAU Hisar, delivered an insightful session on the importance of Crop Diversification and Agroforestry in Natural Farming. The session highlighted how diversified cropping systems and agroforestry practices can improve soil health, enhance farm sustainability, increase biodiversity, and provide better income opportunities for farmers. Such expert-led training programs strengthen the capacity of CRPs and promote the adoption of sustainable and climate-resilient agricultural practices.

CRPs Shared Field Experiences during Natural Farming Training at HAMETI, Jind

During the 1st day of the 5-day training program on Natural Farming being organized at HAMETI, Jind from 11 May to 15 May 2026, Community Resource Persons (CRPs) actively shared their field experiences and practical challenges faced during implementation of natural farming practices. The discussions focused on farmers' adoption of natural farming, preparation of bio-inputs, field-level challenges, and practical solutions for effective promotion of sustainable agriculture. Such interactive sessions help strengthen the capacity of CRPs and encourage knowledge sharing for the successful expansion of natural and eco-friendly farming practices.

Expert Lecture on Plant Nutrients & Deficiency Symptoms at HAMETI, Jind

During the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind, Dr. Danveer Singh, PhD Research Scholar, Deptt. of Agronomy, College of Agriculture, CCSHAU Hisar, delivered an informative session on “Role and Functions of Primary & Secondary Nutrients in Plants and Their Deficiency Symptoms” on 12 May 2026. The session helped participants understand the importance of balanced nutrient management, plant health, and identification of nutrient deficiency symptoms for improving crop productivity and sustainable agriculture. Such expert-led training programs strengthen the technical knowledge and advisory skills of fertilizer dealers and agricultural stakeholders.

Expert Session on Soil Health Management in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 2nd day of the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind under the NMNF Scheme, Dr. Dheeraj Panghal, DES Soil Science, KVK Jind, delivered an informative session on soil health management techniques in natural farming for sustainable agriculture. The session focused on improving soil fertility, maintaining soil health naturally, and adopting sustainable farming practices for long-term agricultural productivity and environmental conservation. Such expert-led programs strengthen the technical knowledge of CRPs and promote the adoption of eco-friendly and sustainable agricultural practices.

Expert Session on Crop Production Challenges in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 2nd day of the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind from 11 May to 15 May 2025, Dr. Pritti Malik, DES Agronomy, KVK Jind, delivered an insightful session on the problems faced in crop production under natural farming and practical tips for improving crop productivity. The session focused on field-level challenges, sustainable crop management practices, and effective solutions for enhancing productivity through natural farming techniques. Such expert-led training programs help strengthen the capacity of CRPs and promote the adoption of eco-friendly and sustainable agricultural practices.

Viva-Voce Conducted for DAESI TP-3053 at HAMETI, Jind

The viva-voce of DAESI TP-3053 was conducted on 12 May 2026 at HAMETI, Jind by the external examiner Dr. Sant Kumar Malik, Assistant Soil Conservation Officer, Agriculture Department, Jind. The assessment evaluated participants' practical understanding, technical knowledge, and advisory skills related to agriculture and agri-input management. Such evaluation processes help strengthen agricultural extension services and prepare participants to provide scientific guidance to farmers.

Exposure Visit to Soil & Water Testing Laboratory, CCSHAU Hisar

Trainees of the Certificate Course on Integrated Nutrient Management (CCINM) visited the Soil and Water Testing Laboratory, College of Agriculture, CCSHAU Hisar on 14 May 2026 for hands-on experience in soil and water sample testing under dynamic leadership of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. During the visit, Dr. Ankush Dhanda, Assistant Scientist (Soil Science), College of Agriculture, CCSHAU Hisar, explained the various testing equipment, laboratory procedures, and techniques used for analysis of soil and water samples. The exposure visit provided participants with practical knowledge on scientific nutrient assessment and soil health management, strengthening their technical understanding for sustainable agriculture.

Expert Lecture on Natural Farming Concepts & Applications at HAMETI, Jind

Dr. Baljeet Saharan, Principal Scientist & Microbiologist, KVK Kurukshetra, delivered an insightful lecture on Natural Farming Concepts and Applications during the 5-day residential training program for Community Resource Persons (CRPs) at HAMETI, Jind. The session focused on the scientific principles of natural farming, practical applications in the field, and sustainable agricultural practices aimed at improving soil health, reducing input costs, and promoting eco-friendly farming systems. Such expert-led training programs strengthen the knowledge and capacity of CRPs to effectively promote natural farming among farmers.

Group Photo on Completion of 2nd Round of Natural Farming Training at HAMETI, Jind

A group photograph of the trainees was taken on the successful completion of the 2nd round of the 5-day residential training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) under the NMNF Scheme, organized at HAMETI, Jind from 11 May to 15 May 2026. The training program focused on promoting sustainable and eco-friendly farming practices, enhancing the knowledge and skills of CRPs for effective implementation of natural farming at the grassroots level. Such initiatives play an important role in strengthening awareness and adoption of natural and sustainable agricultural practices.

Expert Session on Inorganic Fertilizers & Nutrient Computation at HAMETI, Jind

During the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind, Dr. R. S. Malik, Former Professor & Head, Deptt. of Soil Sciences, College of Agriculture, CCSHAU Hisar, delivered an informative session on 15 May 2026.organised at HAMETI under guidance of Director HAMETI, Dr.S.S. Yadav. The lecture focused on types of inorganic fertilizers based on ingredients and physical forms, along with the computation of fertilizer and micronutrient quantities based on nutrient percentages and recommended doses for major crops. The session enhanced participants' understanding of balanced nutrient management and scientific fertilizer application for improving crop productivity and sustainable agriculture.

Final Examination of DAESI Conducted at Nuh (Mewat)

A view of the final examination of the Diploma in Agriculture Extension Services for Input Dealers (DAESI) conducted for 80 candidates at Nuh (Mewat District) on 15 May 2026 in the presence of the MANAGE representative under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav The examination assessed participants' agricultural knowledge, technical understanding, and advisory skills developed during the training program. Such programs play a vital role in strengthening agricultural extension services and empowering input dealers to provide scientific guidance to farmers.

Expert Lecture on Kharif Pulses Production Technology at HAMETI, Jind

During the morning session on 16 May 2026, an expert lecture was conducted under DAESI Batch TP-3415 at HAMETI, Jind. Dr. Joginder Yadav, Retired Senior Scientist (Agronomy), CCSHAU Hisar, delivered an informative session on “Crop Production Technology of Kharif Pulses. under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav The lecture focused on improved cultivation practices, nutrient management, and scientific crop production techniques aimed at enhancing productivity and sustainability in kharif pulse cultivation. Such expert-led sessions strengthen participants’ technical knowledge and promote the adoption of efficient and sustainable agricultural practices.

Expert Session on Integrated Nutrient Management at HAMETI, Jind

During the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind, Dr. Santosh Kumar Singh, Coordinator, Krishi Vigyan Kendra, Fatehabad, CCSHAU Hisar, delivered an informative session on 17 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The lecture focused on the concept of Integrated Nutrient Management (INM), the role of crop rotation, and proper placement of fertilizers for improving input use efficiency. The session enhanced participants' understanding of balanced nutrient management practices for improving soil fertility, crop productivity, and sustainable agriculture.

Mid-Term Examination Conducted at HAMETI, Jind

The mid-term examination of participants enrolled in the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers was successfully conducted at HAMETI, Jind on 18 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The examination assessed participants' understanding of important concepts related to soil health, balanced nutrient management, and efficient fertilizer use covered during the training program. Such academic evaluations play an important role in strengthening technical knowledge and promoting scientific agricultural practices.

Exposure Visit to KVK Pandu Pindara, Jind

Trainees of the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management visited Krishi Vigyan Kendra (KVK), Pandu Pindara, Jind, CCSHAU Hisar on 18 May 2026 for practical exposure and hands-on learning under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. During the visit, participants gained practical experience in soil sample collection techniques for testing and vermi compost production technology. The trainees were also informed about the role, functions, and importance of KVKs in agricultural development and farmer support services. Such exposure visits strengthen practical understanding and promote scientific and sustainable agricultural practices among participants.

Expert Session on Bio-Fertilizers & Microbial Inoculants at HAMETI, Jind

During the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind, Dr. Dheeraj Panghal, District Extension Specialist (Soil Sciences), Krishi Vigyan Kendra, Pandu Pindara, Jind, CCSHAU Hisar, delivered an informative session on 19 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The lecture focused on various microbial bio-inoculants and bio-fertilizers including Rhizobium, Azotobacter, Phosphate Solubilizers, Azospirillum, and Blue Green Algae, along with their methods of application and recommended doses. The session enhanced participants' understanding of sustainable nutrient management practices and the role of bio-fertilizers in improving soil health and crop productivity.

Expert Session on Soil Health Management in Natural Farming at HAMETI, Jind

During the 2nd round of the 5-day training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) being organized at HAMETI, Jind from 18 May to 22 May 2026 under the NMNF Scheme, Dr. Rajesh Lathar, DES, KVK Panchkula, delivered an insightful session on Soil Health Management in Natural Farming under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The session focused on sustainable soil management practices, improving soil fertility naturally, and promoting eco-friendly farming techniques for long-term agricultural sustainability. Such expert-led training programs strengthen the technical knowledge of CRPs and encourage the adoption of natural and sustainable farming practices.

Exposure Visit to Centre of Bio-Fertilizer Production & Technology, CCSHAU Hisar

Trainees of the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind visited the Centre of Bio-Fertilizer Production and Technology, Department of Microbiology, CCSHAU Hisar on 20 May 2026 for practical exposure and hands-on learning under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. During the visit, the trainees interacted with Dr. Anuj Rana, Incharge, Centre of Bio-Fertilizer Production and Technology, CCSHAU Hisar, and gained practical knowledge about the application and use of different bio-fertilizers. The exposure visit enhanced participants' understanding of sustainable nutrient management practices and the role of bio-fertilizers in improving soil health and crop productivity.

Hands-on Training on Bio-Fertilizer Production at CCSHAU Hisar

During the exposure visit on 20 May 2026, trainees of the Certificate Course on Integrated Nutrient Management (CCINM) being organized at HAMETI, Jind interacted with Dr. Satish Kumar, Scientist, Department of Microbiology, CCSHAU Hisar under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The trainees gained hands-on experience in the production procedures, bottling, labeling, and storage of different bio-fertilizers, enhancing their practical understanding of sustainable nutrient management practices. Such exposure visits help strengthen technical knowledge and promote the effective use of bio-fertilizers for improving soil health and crop productivity.

Expert Session on Soil Problems & Reclamation at HAMETI, Jind

During the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers being organized at HAMETI, Jind, Dr. R. S. Malik, Former Professor & Head, Deptt. of Soil Sciences, College of Agriculture, CCSHAU Hisar, delivered an informative session on 21 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The lecture focused on the concepts of acid soil, saline soil, sodic soil, soil toxicity, and the importance of soil amendments such as lime and gypsum for soil reclamation. The session enhanced participants' understanding of soil health management and scientific approaches for improving soil productivity and sustainable agriculture.

Exposure Visit to Natural Farming Farm at Gurukul Kurukshetra

Trainees of the 5-day training program for CRP farmers on Natural Farming, organized by HAMETI, Jind, visited the Natural Farming Farm at Gurukul Kurukshetra on 21 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. During the exposure visit, participants observed and experienced the practical results and benefits of natural farming practices, gaining valuable insights into sustainable and eco-friendly agricultural methods. Such exposure visits help strengthen practical knowledge and encourage the adoption of natural farming for sustainable agricultural development.

Group Photo on Completion of 2nd Round of Natural Farming Training at HAMETI, Jind

A group photograph of the trainees was taken on the successful completion of the 2nd round of the 5-day residential training program on Natural Farming for Community Resource Persons (CRPs) under the NMNF Scheme, organized at HAMETI, Jind from 18 May to 22 May 2026 under guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The training program focused on promoting sustainable and eco-friendly farming practices and strengthening the practical knowledge and skills of CRPs for effective implementation of natural farming at the grassroots level. Such initiatives play an important role in encouraging the adoption of natural and sustainable agricultural practices.

Exposure Visit to CSSRI Karnal for Soil & Water Testing Training

On 22 May 2026, trainees visited the Central Soil and Water Testing Laboratory and experimental area of CSSRI, Karnal along with Dr. Manish Kumar, Senior Scientist, Division of Soil and Crop Management, under the guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. During the exposure visit, participants gained hands-on experience in soil and water sample testing and learned about the application of lime and gypsum for soil reclamation. Such practical exposure visits strengthen participants' technical understanding of soil health management and sustainable agricultural practices.

Final Examination Conducted at HAMETI, Jind

The final examination of participants enrolled in the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers was successfully conducted at HAMETI, Jind on 25 May 2026, under the guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The examination assessed participants' understanding of soil health, balanced nutrient management, fertilizer use efficiency, and sustainable agricultural practices covered during the training program. Such academic evaluations strengthen technical knowledge and help participants provide scientific guidance for sustainable agriculture.

Group Photo on Completion of 15-Day INM Certificate Course at HAMETI, Jind

A group photograph of the trainees was taken on the successful completion of the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers organized at HAMETI, Jind from 11 May to 25 May 2026, under the guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The training program enhanced participants' knowledge of soil health management, balanced nutrient management, fertilizer use efficiency, and sustainable agricultural practices through expert lectures, practical sessions, and exposure visits. Such capacity-building programs play an important role in strengthening scientific agricultural advisory services and promoting sustainable farming practices.

Viva-Voce Conducted for INM Certificate Course at HAMETI, Jind

The viva-voce examination of participants enrolled in the 15-day Certificate Course on Integrated Nutrient Management for Fertilizer Dealers was conducted successfully at HAMETI, Jind on 25 May 2026, under the guidance of Director HAMETI Dr. Surender Yadav. The assessment evaluated participants' practical understanding, technical knowledge, and advisory skills related to soil health, nutrient management, and sustainable agricultural practices. Such evaluation processes help strengthen scientific agricultural advisory services and enhance participants' capacity to support farmers effectively.

अनुसार किया जाएगा। इनमें बेहतर उत्पाद आसानी से मिल सकेंगे। साथ ही अधिक मजबूत होंगी।

कार्यक्रम

हमेटी में पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्राकृतिक खेती से घटेगी लागत

संवाद न्यूज एजेंसी

हमेटी में प्रशिक्षण शिविर में प्रमाण पत्र के साथ किसान। स्रोत : विभाग

जींद। हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ। कार्यक्रम में चार जिलों से आए करीब 30 सीआरपी किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों और उसके लाभों की जानकारी दी गई।

डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की जरूरत बन चुकी है। यह खेती किसानों की लागत कम करने के साथ मिट्टी की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य को भी सुरक्षित रखती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से भोजन जहरीला होता जा रहा है जो गंभीर बीमारियों का कारण बन रहा है।

उन्होंने कहा कि सीआरपी किसान प्राकृतिक खेती को गांव-गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। किसान अपने खेतों में मॉडल तैयार कर अन्य किसानों को प्रेरित करें। सरकार भी इस कार्य के लिए सीआरपी किसानों को मानदेय प्रदान करेगी।

इस दौरान सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक डॉ. बलजीत सहारण ने प्राकृतिक खेती में सूक्ष्म जीवों की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीवामृत, घनजीवामृत और आच्छादन जैसी तकनीक मिट्टी में लाभकारी जीवाणुओं की संख्या बढ़ाती हैं। इससे भूमि की उर्वरता बढ़ती है और फसलों को प्राकृतिक रूप से पोषण मिलता है।

प्राकृतिक खेती के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बहु-फसलीय खेती अपनाने की सलाह दी।

अमर उजाला 23-5-2026

मूल्यांकन किया। श्रेष्ठ व आकर्षक बैग कुंजी है।

प्राकृतिक खेती आज समय की जरूरत, बीमारियों से करती सुरक्षा

हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर मौजूद किसान और मुख्यातिथि। • सौजन्य हमेटी

जासं • जींद : हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी) के निदेशक डा. सुरेंद्र सिंह यादव के दिशा-निर्देशन में पांच दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। डा. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता है, जो न केवल किसानों की लागत कम करती है बल्कि मिट्टी की उर्वरता व मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने भोजन को जहरीला कर दिया है, जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक डा. बलजीत सहारण ने बताया कि प्राकृतिक खेती में जीवाणु और सूक्ष्म जीव मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्राकृतिक खेती की जीवामृत, घनजीवामृत व आच्छादन (मल्चिंग) जैसी तकनीक भूमि में जीवाणुओं की संख्या बढ़ाने में पूरी मदद करती हैं। हमें अपनी फसलों को खुराक उपलब्ध करवाने के लिए ये तकनीक अपनानी चाहिए। प्राकृतिक खेती के मुख्य प्रशिक्षक डा. सुभाष चंद्र ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन व विभिन्न प्राकृतिक खेती तकनीकों व वाफसा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जागरण 23-5-2026

से बचाना तथा समाज में आत्मनिर्भर बनाना है। कैंसर) से बचाव में बेहद प्रभावी है। उन्होंने केंद्रों पर उपल

प्राकृतिक खेती आज समय की जरूरत, बीमारियों से करती सुरक्षा : डॉ. सुरेन्द्र सिंह

प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी और किसान। पंजाब केसरी 23/5/2026

जींद, 22 मई (ललित) : हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी) के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव के दिशा-निर्देशन में सी.आर.पी. (कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन) किसानों का 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ।

डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता है, जो न केवल किसानों की लागत कम करती है बल्कि मिट्टी की उर्वरता एवं मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने भोजन को जहरीला कर दिया है जो स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि सी.आर.पी. किसान प्राकृतिक खेती के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य किसानों को प्रेरित कर सकते हैं तथा अपने खेतों पर अच्छा मॉडल विकसित करके उदाहरण प्रस्तुत करें। सरकार द्वारा इस कार्य के लिए सी.आर.पी. किसानों को मानदेय प्रदान किया जाएगा।

सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्राकृतिक खेती में जीवाणु और सूक्ष्म जीव मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्राकृतिक खेती की जीवामृत, घनजीवामृत व आच्छादन (मल्चिंग) जैसी तकनीक भूमि में जीवाणुओं की संख्या बढ़ाने में पूरी मदद करती है। हमें अपनी फसलों को खुराक उपलब्ध करवाने के लिए यह तकनीक अपनानी चाहिए।

प्राकृतिक खेती के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चन्द्र ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं विभिन्न प्राकृतिक खेती तकनीकों जैसे जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग) एवं वाफसा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने किसानों को अपने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार खेती करने तथा बहु-फसलीय प्रणाली अपनाने की सलाह दी। प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के लिए प्राकृतिक खेती के मॉडल भी तैयार किए।

इस प्रशिक्षण में 4 जिलों के लगभग 30 सी.आर.पी. किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फार्म का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने व्यवहारिक रूप से प्राकृतिक खेती के मॉडल को देखा।

किसानों प्राकृतिक खेती की जानकारी देते डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव। स्रोत : किसान

प्रशिक्षण शिविर में किसानों को दी नई तकनीक की जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा स्थित नेचुरल एग्रो फार्म में आयोजित प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण शिविर और फील्ड विजिट में किसानों को प्राकृतिक खेती की नई तकनीक की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण केंद्र हमेटी जींद और अरावली किसान क्लब के सहयोग से किया गया। इसमें आए किसानों प्राकृतिक खेती की तकनीक बताई।

मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक कृषि एवं निदेशक हमेटी जींद डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव रहे। उन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष चंद्र (ट्रेनिंग एडवाइजर, नेचुरल फार्मिंग, हमेटी जींद) ने किसानों को प्राकृतिक कृषि की तकनीकों, व्यवहारिक ज्ञान और आधुनिक तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और किसानों के बीच संवाद भी हुआ। अरावली किसान क्लब की ओर से मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र यादव और डॉ. सुभाष चंदर को सम्मानित किया गया। साथ ही श्रमिक दिवस के अवसर पर फार्म के स्टाफ को कैप भेंट कर सम्मान दिया गया।

डॉ. सुरेंद्र यादव ने कहा कि कुरुक्षेत्र के बाद अगला प्राकृतिक खेती क्लस्टर रेवाड़ी में विकसित किया जाएगा।

यशपाल खोला ने अरावली किसान क्लब और धारूहेड़ा एग्रो फार्म की कार्यशैली की जानकारी दी। कार्यक्रम में बीएओ डॉ. अजीत सिंह, एडीओ डॉ. अंकित यादव, सुरेश कुमार, बीर सिंह, बिरेंद्र, भूपेंद्र सिंह, महेश मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती की किसानों को दी जानकारी

संवाद सहयोगी, जागरण● धारूहेड़ा: नेचुरल एग्रो फार्म में शुक्रवार को एक दिवसीय प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण शिविर एवं फील्ड विजिट का आयोजन किया गया। आयोजन प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण केंद्र हमेटी जींद और अरावली किसान क्लब के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. सुरेंद्र सिंह यादव संयुक्त निदेश एग्रीकल्चर-कम-डायरेक्टर हमेटी जींद रहे।

किसानों को जानकारी देते कृषि विशेषज्ञ● जागरण

उन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता के रूप में डा. सुभाष चंद्र ट्रेनिंग एडवाइजर, नेचुरल फार्मिंग हमेटी जींद ने प्राकृतिक कृषि की तकनीकी, व्यवहारिक पहलुओं और आधुनिक विकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डा. सुरेन्द्र यादव ने आश्वासन दिया कि कुरुक्षेत्र के बाद अगला प्राकृतिक खेती क्लस्टर रेवाड़ी में विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। क्लब उपप्रधान सुरेश कुमार, बीएओ डा. अजित सिंह, एडीओ डा. अंकित यादव आदि उपस्थित रहे।

किसानों को आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती के गुर सिखाए

भास्कर न्यूज | जींद

हमेटी जींद में शुक्रवार को प्राकृतिक खेती को लेकर किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव ने प्रतिभागी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती के विस्तार एवं प्रचार प्रसार में सीआरपी किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुरुक्षेत्र में लगभग 2000 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती का क्लस्टर विकसित किया जाएगा, जिससे किसानों को बेहतर आय एवं टिकाऊ कृषि पद्धति अपनाने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआरपी किसानों ने प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। डॉ. सुभाष चंद्र ने प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के विस्तार में आने वाली समस्याओं एवं उनके व्यावहारिक समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, मल्चिंग एवं वाफना जैसी तकनीक के महत्व से भी अवगत कराया। किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फॉर्म का भ्रमण करवाया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल को देखा। कार्यक्रम में सोनीपत, पानीपत, पलवल व फरीदाबाद के 36 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर हमेटी की उपनिदेशक डॉ. मोनिका यादव तथा प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र भी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर 9/5/2026

कुरुक्षेत्र में 2 हजार एकड़ में विकसित होगा प्राकृतिक खेती का क्लस्टर : डॉ. सुरेंद्र यादव

समापन समारोह में मौजूद हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव और स्टाफ।

जींद, 8 मई (ललित): हमेटी जींद में प्राकृतिक खेती के मुख्य प्रचारक सीआरपी (कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन) किसानों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र यादव ने प्रतिभागी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए इस अवसर पर डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती के विस्तार एवं प्रचार प्रसार में सीआरपी किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र में लगभग 2000 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती का क्लस्टर विकसित किया जाएगा, जिससे किसानों को बेहतर आय एवं टिकाऊ कृषि पद्धति अपनाने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआरपी किसानों ने सक्रिय भागीदारी की तथा प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। इस दौरान हमेटी की उपनिदेशक डॉ. मोनिका यादव तथा प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र भी उपस्थित रहे।

डॉ. सुभाष चंद्र ने प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के विस्तार में आने वाली समस्याओं एवं उनके व्यावहारिक समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, मल्चिंग एवं वाफसा जैसी तकनीक के महत्व से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागी किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र स्थित प्राकृतिक खेती फॉर्म का भ्रमण भी करवाया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल को देखा और उससे संबंधित व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

डॉ. मोनिका ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सीआरपी किसानों को सशक्त बनाकर प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देना है ताकि अधिक से अधिक किसान इस पर्यावरण अनुकूल एवं लागत कम करने वाली खेती की पद्धति को अपनाकर लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में सोनीपत, पानीपत, पलवल व फरीदाबाद के 36 किसानों ने प्रशिक्षण लिया।

9 मई, 2026

प्रशिक्षण कार्यक्रम

किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्राकृतिक खेती फार्म का भ्रमण कराया

2000 एकड़ में विकसित होगा प्राकृतिक खेती क्लस्टर

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान हमेटी जींद में प्राकृतिक खेती के मुख्य प्रचारक सीआरपी किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। समापन अवसर पर हमेटी के निदेशक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और उन्हें भविष्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से अवगत कराया।

डॉ. यादव ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कुरुक्षेत्र में लगभग 2000 एकड़ क्षेत्र में एक क्लस्टर विकसित किया जाएगा। यह क्लस्टर किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धति अपनाने और बेहतर आय प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रशिक्षण के दौरान सोनीपत, पानीपत, पलवल और फरीदाबाद के 36 किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, मल्चिंग और वाफ़सा जैसी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। हमेटी की उपनिदेशक डॉ. मोनिका यादव और प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चंद्र ने किसानों को खेती की लागत कम करने और पर्यावरण अनुकूल तरीके अपनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्राकृतिक खेती फार्म का भ्रमण भी कराया गया ताकि वे सफल मॉडल को करीब से देख सकें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सीआरपी किसानों को सशक्त बनाकर प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाना है।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन पर प्रमाण -पत्र वितरण करते आयोजक। स्रोत : आयोजक

वैज्ञानिक खेती से सुधरेगा मृदा स्वास्थ्य

जींद। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिंडारा की ओर से गांव शामदो में मृदा स्वास्थ्य उपयोग पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक खेती के प्रति प्रोत्साहित करना और मिट्टी की घटती उर्वरता को बचाना था। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ डॉ. धीरज पंघाल ने किया। डॉ. धीरज पंघाल ने कहा कि बिना मिट्टी जांच के रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग न केवल खेती की लागत बढ़ा रहा है बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता को भी नष्ट कर रहा है। उन्होंने उर्वरक प्रबंधन के चार आर सिद्धांत यानी सही स्रोत, सही मात्रा, सही समय और सही विधि को अपनाने पर जोर दिया। डॉ. पंघाल ने सलाह दी कि किसान जमीन की समय-समय पर जांच करवाएं और रिपोर्ट के आधार पर ही पोषक तत्वों का प्रयोग करें। मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए उन्होंने हरी खाद, जैविक खाद और फसल अवशेष प्रबंधन के महत्व बताए। संवाद

अमर उजाला, 9 मई-2026

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
AGRICULTURE AND
FARMERS WELFARE

HELPLINE NUMBER
(NATION WIDE)

Information related to

NATURAL FARMING

Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis*

HELP LINE

DIAL - 1800-599-1557

Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M
(Monday to Friday) All working days

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp

Follow us on

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

Near Ch. Rabir Singh unioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana

hametijind@gmail.com 01681-256453